

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... रुम्हर उजाला  
दिनांक 18.2.2020 पृष्ठ सं... 6 कॉलम 4-6

## एचएयूः शेड्यूल बदला, मार्च के पहले सप्ताह में शुरू हो सकती है एथलीट मीट

अमर उजाला ब्यूरो

गिरि सेंटर के सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण कार्य के कारण बदलाव



गिरि सेंटर में निर्माणाधीन सिंथेटिक ट्रैक।

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में गिरि सेंटर में सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण कार्य के कारण एथलीट मीट का शेड्यूल आगे खिसका दिया गया है। इसके अलावा मार्च के शुरुआत में अखिल भारतीय कृषि विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता होनी है। साथ ही विवि में मिड टर्म एग्जाम भी है। इस कारण से इस बार एथलीट मीट मार्च के अंत में हो सकती है। हालांकि अभी तक विवि प्रशासन ने एथलीट मीट को लेकर कोई तिथि फाइनल नहीं की है।

बता दें कि विवि में हर साल एथलीट मीट का आयोजन किया जाता है, जिसमें विवि के सभी कॉलेजों के विद्यार्थी भाग लेते हैं। यह एथलीट मीट दो दिनों तक चलती है।

### 10 दिन में पूरा होगा सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण कार्य

विवि के गिरि सेंटर में साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से नया सिंथेटिक ट्रैक बिछाया जा रहा है। यह सिंथेटिक ट्रैक इंग्लैंड से मंगवाया गया है। इससे पहले वर्ष 1996 में एथलेटिक ट्रैक पर सिंथेटिक ट्रैक बिछाया गया था, जो काफी पुराना हो गया था। इस बजाए से अब नया सिंथेटिक ट्रैक बिछाया जा रहा है। गिरि सेंटर की बिल्डिंग की मरम्मत का काम भी किया जा रहा है। करीब एक साल यह कार्य चल रहा है। विवि के अधिकारियों के मुताबिक करीब दस दिनों में सिंथेटिक का काम पूरा हो जाएगा। इधर 1 से 5 मार्च तक आंध्र

“ बच्चों के मिड टर्म एग्जाम हैं, जो 18 मार्च तक हो जाएंगे। इसके बाद ही एथलीट मीट कराई जाएगी। तब तक सिंथेटिक ट्रैक बिछाने का काम भी पूरा हो जाएगा। - डीएस दहिया, छात्र कल्याण निदर्शक, एचएयू

प्रदेश के तिरुपति में अखिल भारतीय कृषि विवि खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें एचएयू के विद्यार्थी भी भाग लेंगे। इसी को लेकर विवि की तरफ प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के लिए शिविर का आयोजन भी किया हुआ है। शिविर 12 फरवरी से शुरू हुआ और 26 फरवरी तक चलेगा। इसके बाद सभी खिलाड़ी प्रतियोगिता के लिए रवाना होंगे। प्रतियोगिता में एथलेटिक, बास्केटबाल, वालीबाल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन व कबड्डी के मुकाबले होंगे।

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... *भूमि का सारांश* .....  
दिनांक 18. 2. 2020 पृष्ठ सं 17 कॉलम 1.....

स्वावलंबी बनकर  
मनोबल से ऊंचाई पर  
पहुंचे महिलाएं : बैंदा

जासं हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्राओं द्वारा गांव सीसवाल में ग्रामीण कृषक कार्य अनुभव कार्यक्रम के तहत चल रहे जागरूकता कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्य बाल संरक्षण अधिकार आयोग की चेयरपर्सन ज्योति बैंदा रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता गृहविज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता, डा. बिमला ढांडा ने की। ज्योति बैंदा ने कहा कि महिलाएं समाज का एक अहम हिस्सा हैं। आज की महिलाएं डॉक्टर व इंजीनियर बनने के साथ-साथ स्वावलंबी बनें तथा ऊंचाई पर छूकर दिखाएं। डा. बिमला ने छात्राओं से आहवान किया कि घरेलू तकनीकी ज्ञान महिलाओं तक पहुंचाकर ग्रामीण बहनों को घरेलू रोजगार एवं पारिवारिक पौष्टिकता से हरियाणा में कुपोषण खत्म करने का प्रयास करें। यह कार्यक्रम जम्भ शक्ति संस्था के सहयोग से आयोजित हुआ था जिसमें गांव की महिलाओं ने हिस्सा लिया।

## लोक संपर्क कार्यालय

### चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... दीनक जागरण  
 दिनांक..... १५. २. २०२० पृष्ठ सं.... १७ कॉलम..... २.८

**खेतीबाड़ी**

डाइविटीज व ब्लड प्रेशर में मदद करता है ढींगरी और बटन मशरूम, किसानों के लिए मुनाफे की फसल

## हर दिन तीन हजार के मशरूम बेच देती है एचएयू



जागरण संचादाता, हिसार : शहर में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तैयार मशरूम की डिमांड लगातार बढ़ रही है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने मशरूम को अपने मार्ट में भी उपलब्ध करवाना शुरू कर दिया है। एचएयू ने कुछ समय पहले ही एक प्राइवेट कंपनी के साथ मशरूम प्रोडक्शन का अनुबंध किया था। अब प्रोडक्शन हो रहा है तो हर रोज एचएयू के मशरूम केन्द्र तीन हजार रुपये के मशरूम की बिक्री हो जाती है। इसमें बटन व ढींगरा मशरूम सहित मशरूम की अन्य वैश्यायिक भी बिक्री की जा रही है।

मशरूम की गुणवत्ता लोगों के सामने आने लगी है। इसमें ढींगरा किस्म का मशरूम लोगों को आकर्षित कर रहा है। खास बात है कि ढींगरा मशरूम डाइविटीज को कंट्रोल करने से लेकर ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित करने का कार्य करता है। मशरूम में भरपूर मात्रा में न्यूट्रीशन है इस कारण इसके लोगों के शरीर पर भी



मशरूम। ● सोशल मीडिया से

### 15 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट के तापमान की

**आवश्यकता :** मशरूम को तैयार करने में 25 दिन का समय तो लगता है साथ ही इसके लिए 15 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट का तापमान होना चाहिए। इसको करने के लिए आपको विश्वविद्यालय में ही 80 रुपये प्रति किलो के भाव से बीज मिल जाएगा। तापमान को किसान मैटेन रखेंगे तो कुल खपत के 50 प्रतिशत फसल इससे पैदार हो जाता है। बाजार में अच्छा भाव होने से किसानों के पास धन की उपलब्धता भी रहेगा। इसके लिए अधिक समय व जगह की आवश्यकता भी नहीं है। ढींगरा मशरूम को करने के लिए एग्रोवेस्ट का प्रयोग कर सकते हैं।

सकारात्मक प्रभाव हैं। आम मशरूम को लेकर कार्य करने वाले एक्सपर्ट की तरह ही 100 रुपये प्रति किलो बताते हैं कि इस फसल को तैयार इसकी कीमत तय की गई है। मशरूम करने में सिर्फ 25 दिन का समय लगता है, किसान व शहरवासी इसका घर या खेतों में आसानी से उत्पादन कर सकते हैं।

### मशरूम खाने के फायदे

- मशरूम में एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व होते हैं, जो बढ़नी उम्र के लक्षणों को कम करने और वजन घटाने में मदद करते हैं।
- मशरूम में मौजूद तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं, सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां जल्दी-जल्दी नहीं होतीं।
- मशरूम में मौजद सेलेनियम इम्यून सिस्टम के रिस्पॉन्स को बेहतर करता
- मशरूम में विटामिन डी होता है, यह हड्डियों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी होता है।

मशरूम तैयार करने में 25 दिन का समय लगता है साथ ही 15 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तापमान होना चाहिए। विश्वविद्यालय में ही 80 रुपये प्रति किलो के भाव से बीज मिल जाएगा। इसके लिए अधिक समय व जगह की आवश्यकता नहीं है। ढींगरा मशरूम को करने के लिए एग्रोवेस्ट का प्रयोग कर सकते हैं।

**लोक संपर्क कार्यालय**  
**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार**

समाचार पत्र का नाम..... प्रैनकृजा१२०  
 दिनांक..... १८.२.२०२० पृष्ठ सं... १३ कॉलम.....

## जहां सर पलेचर पीते थे चाय, अब उस कैटीन का जीर्णोद्धार करेगी एचएयू

जगरण संवाददाता, हिसार :  
 चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पहले कुलपति एल पलेचर की बाटे किर से जीवित होने जा रही हैं। इंजीनियरिंग कॉलेज के पास वह जिस कैटीन पर बैठक चाय पिया करते थे उसे दोबारा से तैयार किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय इस कैटीन का नाम संगल पलेचर के नाम पर रखेगा। इस कैटीन को बनाने के पीछे विश्वविद्यालय का उद्देश्य साल दर साल पढ़ाई के लिये आ रहे नए विद्यार्थियों को कुलपति एल पलेचर से जोड़ने का है। एचएयू

विद्यार्थी : १९७० में की गई हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना के इंजीनियरिंग कॉलेज के पास स्थित वह कैटीन पिछले कई वर्षों से बंद पड़ी थी। इसके साथ ही इस कैटीन पर फले कुलपति से जुड़ी जानकारियों के बारे में भी जानने का अवसर मिलेगा। खास बात है विद्यार्थी नहीं बल्कि एचएयू में रोजाना सुबह साथ टहलने और बाले लागें के लिये भी यहां पर एल पलेचर चाय भी पीने आते थे तो डाक्ट्रों को हम कैटीन की सुविधा के साथ विश्वविद्यालय के इतिहास से भी जोड़ने का काम बढ़ेगा।



एचएयू रियत वह कैटीन जहा पर डा. पलेचर चाय पीने जाते थे। ● जागरण

इस कैटीन का नाम एलपलेचर कैटीन के नाम पर रखा जाएगा विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थियों को कैटीन का मिलेगा लाभ

कौन थे सर एल पलेचर, एचएयू में बया था योगदान चौधरी वरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कभी लाहौर कृषि विश्वविद्यालय का हिस्सा रहा है। आज वही के बाद पंजाब यूनिवर्सिटी का हिस्सा बन एचएयू ने अपनी शोध गुरु एवं अपनी पढ़ावन बनानी शुरू की। साल १९७० में पंजाब यूनिवर्सिटी से अलग हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थापना हुई। एचएयू के प्रथम कुलपति के रूप में रिटायर्ड आईएस एल पलेचर ने काशीपुर संभाला था। अरावली हॉस्टल की अपना कार्यालय बनाया था। यास बात है एचएयू का कैपस शहर में अन्य विश्वविद्यालयों से इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अद्यता है। यहां जिस प्रकार से भवन एक दूसरे से जुड़े हैं वह उस समय के लिये बड़ी बात थी।

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... *The Tribune*.....  
दिनांक.....15.2.2020..... पृष्ठ सं.....12..... कॉलम.....5.....

## Cosmetic steps, lament farmers

**DRIPENDRA DESWAL**

**A** cross-section of farmers in Haryana has termed the Budget proposals as cosmetic steps that can hardly help to improve the financial condition of the peasantry.

Farmers say they want the government to deal with their problems to make farming a sustainable occupation. "With the younger generation of farmers losing interest in agricultural activities, the government needs to ensure profitability in agriculture by providing reasonable minimum support price (MSP) through innovative techniques and equipment, besides strengthening the agri-processing industry on a small scale," they say.

The Vice Chancellor of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), Hisar, Dr KP Singh says this is a good Budget that expects to fulfil Prime Minister Narendra Modi's commitment to double farmers' income by 2022. "The National Sample Survey Office (NSSO) data in 2016 showed the farmers' income at Rs 6,000, which crossed Rs 10,000 in 2019. With two years remaining, the target seems achievable. The agriculture sector is sticking to the deadlines," he says.

Dr Singh says budgetary allocations have been increased in various agri sectors and doable things classified under 16 points. Fisheries, animal husbandry, agriculture and horticulture sectors have been given specific targets. He states that Rs 40,000 crore in the irrigation corpus and creating a dairying processing infrastructure fund with Rs 2,000 crore are laudable initiatives.

Former secretary of the Haryana Kisan Aayog, Dr RS Dalal, says the Finance Minister has allocated Rs 2.83 lakh crore for the agriculture and rural development sectors, of which agriculture has a share of Rs 1.42 lakh crore. As far as solar energy is concerned, the numbers are meagre, says Dalal. "The FM said they would help 20 lakh farmers set up stand-alone solar pumps. But more than 20 lakh pump sets are operational in only two states — Haryana and Punjab. The national requirement is too big," he says.

Dalal says the Budget has ignored agriculture education and research. "The announcement of Rs 15 lakh crore for agriculture credit by NABARD for refinancing is almost six times the total agriculture budget. This seems of little use as the farmers are already under huge debt, leading to suicides. The farmers are taking loans through Kisan Credit Cards to meet agriculture requirements. Another share of Rs 15,695 crore was allocated for the Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana (PMFBY), which is facing protest from a

section of the farmers."

Dalal says the government has come with a welcome decision to fix the target of increasing milk production to 108 million tonnes by 2025. "The government needs to set up small processing units for milk processing in clusters of 5-6 villages instead of roping in big corporates in this sector," he says, adding that doubling the income seems to be a distant dream. "The food processing sector continues to be off the priority list of the government. The farmers' input cost will go up when they make efforts to increase the per-acre production. This will again destabilise their financial budget. The income of farmers can be increased by value addition to the product. Thus, the food processing industry should be the priority area of the government if it wants to bail out the farmers," he adds.

The farmers' productivity, be it from agriculture or the dairy sector, needs to be linked to social security schemes like the Mid-Day Meal in government schools and anganwari. "Farmers should be provided such linkages to sell their prod-



PHOTO: MANOJ DHAKA

ucts. It will also ensure hassle-free implementation of the schemes," he says.

Sajjan Kumar, a young farmer from Surpura village in Bhiwani district, says farmers want efficient implementation of schemes like the PMFBY and assured MSP. "The Budget is meant for larger policy formation and funding. The farmers have different issues on the ground. We are suffering at the hands of middlemen as a major chunk of the profit is being pocketed by those who procure the produce and the traders associated with the farming sector who provide seed, fertilisers, pesticides etc," he says, adding that the policies and government initiatives are ignoring the issues and interests of small farmers.

A farmer from Ladwa village, Sube Singh, says though they expect reduction in the input cost like fertilisers and seed, the reduction in subsidy on these things is likely to put more burden on the farmers.



Scanned  
CamScanner

E2

Break

## लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... भौजन का जागरूक  
 दिनांक 19. 2. 2020 पृष्ठ सं... 13 कॉलम 5-8

### 15 साल बाद विज्ञानियों को मिलेगा एडवांस इंक्रीमेंट

जागरण संवाददाता, हिसार: बिना नेट यानि नेशनल इलिजिबिलिटी टेस्ट के पीएचडी करने वाले विज्ञानियों को 15 साल बाद सरकार एडवांस इंक्रीमेंट का लाभ देने जा रही है। यह लाभ 2006 में छठे वेतन आयोग के लागू होने के बाद से नहीं मिल रहा था।

इसको लेकर हाल ही में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टीचर्स एसोसिएशन की तरफ से कृषि मंत्री जेपी दलाल, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन राज्य मंत्री डा. संजीव बालियान के समक्ष मांग उठाई गई थी। इस लाभ से वंचित प्रदेश के कालेजों, विश्वविद्यालयों में करीब 400 से अधिक विज्ञानी हैं। वित्त विभाग ने इस बाबत आदेश भी जारी कर दिए हैं।

इस आदेश के तहत 2006 से लेकर 2015 तक नौकरी पाने वाले वैज्ञानिकों को एरियर के रूप में लाभ मिलेगा। इस इंक्रीमेंट के तहत विज्ञानियों को अपने वेतन के बेसिक में कुल 15 फीसद इंक्रीमेंट मिला है।

ये है मामला: दरअसल वैज्ञानिक बनने के लिए कम से कम एमएससी की डिग्री होनी अनिवार्य है। ऐसे में पीएचडी करने वाले वैज्ञानिकों का वेतन अधिक रहे, इसके लिए उन्हें छठे वेतन आयोग में पांच इंक्रीमेंट दिए जाने का प्रावधान था। मगर सरकार ने नेट यानि नेशनल इलिजिबिलिटी टेस्ट होना अनिवार्य कर दिया। मगर 2006 से पहले नेट था ही नहीं। ऐसे में एवरएयू सहित प्रदेशभर में कई वैज्ञानिक इससे असूते रह गए। जबकि यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन यानि यूजीसी इस लाभ को देने की सिफारिश करता रहा। इसके साथ ही 2016 में लागू हुए सातवें वेतन आयोग में तो इस इंक्रीमेंट को ही हटा ही दिया। इसके लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने कृषि मंत्री जेपी दलाल, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन राज्य मंत्री डा. संजीव बालियान को भी मांग पत्र सौंपा था।

- बिना नेट पीएचडी करने वाले विज्ञानियों को 15 साल से नहीं मिला इंक्रीमेंट

- वित्त और कृषि विभाग ने यूजीसी की सिफारिश के आधार पर इंक्रीमेंट जारी करने के दिए निर्देश

#### इस आधार पर इंक्रीमेंट लागू करने की मांग

सातवें वेतन आयोग में पीएचडी में एडवांस इंक्रीमेंट को हटा दिया, मगर यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) ने बाद में एक गाइडलाइन जारी की जिसमें इस इंक्रीमेंट को सातवें वेतन आयोग के अनुसार देने की सिफारिश की गई। इसके बाद इफाल स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने तो इसे लागू भी कर दिया।

#### आइसीएआर के अंतर्गत आती है एचएयू

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) के अंतर्गत एचएयू आती है। आइसीएआर के माध्यम से ही एडवांस इंक्रीमेंट वैज्ञानिकों को मिल सकता है। इसी के लिए हीटा कृषि मंत्री जेपी दलाल से लेकर कैब्रीय पशुपालन राज्य मंत्री तक को मांगपत्र सौंपकर समस्या के समाधान की मांग करता रहा है।

अब सातवें वेतन आयोग में इंक्रीमेंट लागू करने की मांग हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (हौटा) के प्रधान डा. करमल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन और सरकार ने इस इंक्रीमेंट को लागू कर विज्ञानियों को बड़ा लाभ दिया है। अब इस एडवांस इंक्रीमेंट को सातवें वेतन आयोग में लागू करने को लेकर संगठन की मांग जारी रहेगी।

**लोक संपर्क कार्यालय**  
**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार**

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 19. 2. 2020

दैनिक जागरूक

पृष्ठ सं 3

कॉलम 1-6

शोध

एचएयू कर रही विशेष बीज तैयार, मार्केट में एक लाख रुपये किलो के भाव से बिकने वाले इस मशरूम को कीड़ा जड़ी भी कहते हैं

# जवानी बरकरार रखेगा कोर्डिसेप्स मिलिटेरिस मशरूम

देखत शर्मा ● हिसार

हमारे समाज में एक बगं पेसा भी है जो अधिकाधिक वर्षों तक जवान बने रहना चाहता है। ऐसे ही लोगों के सपने को पूरा करने वाले कोर्डिसेप्स मिलिटेरिस मशरूम को तैयार करने में जुटा हुआ है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय।

एक लाख रुपये किलो की कीमत पर बिकने वाले हिमालय के इस दुलभ जड़ी-बटी (कीड़ा जड़ी) को मैदानी इलाकों में भी उगाया जा सके, इसके लिये हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) अपने मशरूम लैब में इसका बीज तैयार कर रहा है।

मशरूम विधाग कार्यरत डा. सुरजीत कुमार ने बताया कि कुलपति प्रो. केपी सिंह के नेतृत्व में कुछ महीने पहले ही इस किस्म का बीज हमने लैब में तैयार



एचएयू की मशरूम लैब में कोर्डिसेप्स मिलिटेरिस मशरूम का बीज। ● जागरण

## 25 डिग्री सेल्सियस से कम रखना होता है तापमान

कोर्डिसेप्स मिलिटेरिस मशरूम को उगाने के लिए आइसोलेटेड कक्ष चाहिए जिसमें 25 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान रहे। तापमान का संतुलन बिगड़ने से यह तैयार नहीं हो सकता।

किया था। यह 70 फीसद तक विकसित हो चुका है। जल्द ही यह पूरी तरह से

कोर्डिसेप्स मिलिटेरिस के यह हैं फायदे

- कोर्डिसेप्स मिलिटेरिस में इस्ट्रून सिस्टम को मजबूत करने वाले तत्त्व पाए जाते हैं, इससे लोगों पर बुढ़ापा देरी से आता है। ● यह मशरूम मनुष्य के शरीर में रोगों से लड़ने की ताकत को बढ़ाती है। ● इसके साथ ही थकान मिटाने में भी यह कारगर है। ● यह तत्काल रूप से ताकत देती है। ● चीन के खिलाड़ी इसे बड़े प्रमाणे पर प्रयोग करते हैं। ● फेफड़ों और किडनी के इलाज में भी इसे जीवन रक्षक दवा माना जाता है। ● कैंसर की रोकथाम और योन क्षमता बढ़ाने में भी यह लाभकारी है। ● विटामिन डी का बड़ा स्त्रोत होने के कारण यह महिलाओं के लिए काफी गुणकारी है। ● इससे कैल्सियम की जरूरत को भी पूरा किया जा सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की मशरूम लैब में बीज से तैयार हुआ कोर्डिसेप्स मिलिटेरिस मशरूम। ● जागरण

तैयार हो जाएगा। गैरतलब है कि पिछले 22 साल में मशरूम उत्पादन लगभग

पांच गुणा तक बढ़ा। है। वर्ष 1997 में जो आज बढ़कर 1.81 लाख टन हो गया मशरूम का उत्पादन 40 हजार टन था है।

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... दीनक जा० १२०  
दिनांक १९. २. २०२० पृष्ठ सं..... १८ कॉलम..... ७-८

## मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिवस पर कार्यशाला आज

जागरण संवाददाता, हिसार:  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि  
विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय  
के सभागार में मृदा स्वास्थ्य कार्ड  
दिवस पर 19 फरवरी को एक  
दिवसीय कार्यशाला आयोजित होगी।  
केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण  
राज्य मंत्री कैलाश चौधरी समारोह  
के मुख्य अतिथि होंगे। समारोह की  
अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति  
प्रो. केपी सिंह करेंगे। कुलपति प्रो.  
सिंह ने बताया कि इस अवसर पर  
एचएयू के वैज्ञानिक, राज्य कृषि और  
किसान कल्याण विभाग और कृषि  
संहयोग एवं किसान कल्याण विभाग,  
भारत सरकार के अधिकारी और  
हरसैक के वैज्ञानिकों द्वारा हरियाणा  
के विभिन्न जोन में मृदा विश्लेषण,

**प्रदेशभर से किसान  
कार्यशाला में लौगे भाग**  
विस्तार शिक्षा के निदेशक डा.  
आरएस हुड्डा ने बताया कि पूरे  
हरियाणा राज्य के किसान इस  
कार्यशाला में भाग लौगे और मृदा  
स्वास्थ्य कार्ड योजना, किसान  
समुदाय के कल्याण में इसकी  
उपयोगिता ओर भूमिका, के विभिन्न  
पहलुओं के बारे में किसानों को  
जागरूक किया जाएगा। राज्य  
में पूरे वर्ष इसी तरह के कार्यक्रम  
आयोजित किए जाएंगे।

मृदा स्वास्थ्य की वर्तमान स्थिति,  
सॉयल हेल्थ कार्ड योजना के बारे में  
प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....ज़ाभर उजाला  
दिनांक.....१९.२.२०२० पृष्ठ सं....६ कॉलम.....६

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना  
के पांच साल होने पर  
एचएयू में कार्यशाला आज

हिसार(ब्यूरो)। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के पांच वर्ष पूरे होने पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि महाविद्यालय के सभागार में 19 फरवरी को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी मुख्यातिथि होंगे।

समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के पी सिंह करेंगे। कुलपति प्रो. के पी सिंह ने बताया कि कार्यशाला में एचएयू के वैज्ञानिक, राज्य कृषि और किसान कल्याण विभाग और कृषि सहयोग एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी और हरसेक के वैज्ञानिक मृदा विश्लेषण, मृदा स्वास्थ्य की वर्तमान स्थिति और मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के बारे में जानकारी देंगे। विस्तार शिक्षा के निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि कार्यशाला में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, किसान समुदाय के कल्याण में इसकी उपयोगिता और भूमिका, के विभिन्न पहलुओं के बारे में किसानों को जागरूक किया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... दीर्घभूमि  
दिनांक... 19. 2. 2020 पृष्ठ सं... 14 कॉलम... 2.3

## हक्कवि में मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिवस पर कार्यशाला आज

हरियाणा न्यूज | हिसार

हक्कवि के कृषि महाविद्यालय के सभागर में मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिवस पर 19 फरवरी को एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित होगी। कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार, कैलाश चौधरी समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह करेंगे। यह कार्यशाला भारत के प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी द्वारा सॉइल हेल्थ कार्ड योजना शुरू करने के

पांच साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित की जा रही है। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस अवसर पर एचएयू के वैज्ञानिक, राज्य कृषि और किसान कल्याण विभाग और कृषि सहयोग एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार के अधिकारी और हरसैक के वैज्ञानिकों द्वारा हरियाणा के विभिन्न जोन में मृदा विश्लेषण, मृदा स्वास्थ्य की वर्तमान स्थिति, तथा सॉइल हेल्थ कार्ड योजना के बारे में प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। विस्तार शिक्षा के निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि पूरे हरियाणा राज्य के किसान इस कार्यशाला में भाग लेंगे और मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, किसान समुदाय के कल्याण में इसकी उपयोगिता और भूमिका, के विभिन्न पहलुओं के बारे में किसानों को जागरूक किया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब के सरी  
दिनांक १९.२.२०२५ पृष्ठ सं..... ५ कॉलम..... ४

मौसम विभाग की चेतावनी  
ने उड़ाई किसानों की नींद

हिसार, 18 फरवरी (ब्यूरो): मौसम विभाग की चेतावनी ने किसानों की नींद उड़ा दी है। मौसम विभाग की मानें तो 20 फरवरी देर रात्रि से मौसम में बदलाव होगा। बदलाव के चलते बारिश होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि इन दिनों गेहूं और सरसों की फसलों खेतों में लहरा रही है। अपर इस मौसम तेज बारिश या ओलावृष्टि होती है तो फसलों को नुकसान पहुंच सकता है। वहीं इन दिनों तापमान में भी बढ़ौतरी हो रही है। इससे किसानों को फसल बचाने के लिए सिंचाई करनी पड़ सकती है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार दोपहर का पारा 26.7 डिग्री सैलिसयस है। जो सामान्य से 2 डिग्री सैलिसयस ज्यादा है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग के अध्यक्ष डा. मदन लाल खिचड़ ने बताया कि 20 फरवरी देर रात्रि से मौसम में बदलाव होगा। 21 से 23 फरवरी के बीच आंशिक बादल, हवाएं चलने और कहीं-कहीं छिटपुट बूंदाबांदी या हल्की बारिश होने की संभावना है।